भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1658

30.07.2025 को उत्तर देने के लिए

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण का नवीकरण

1658. श्री वी. के. श्रीकंदनः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों से भी रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़ों को शामिल करने के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) का नवीकरण करने का निर्णय लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण का दायरा बढ़ाया जाएगा और नमूना डिजाइन के नवीकरण के माध्यम से उच्च आवृत्ति श्रम बाजार संकेतकों के निर्माण की आवश्यकता पूरी की जाएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या चयनित प्रथम चरण इकाइयों में से प्रत्येक से बारह परिवारों का सर्वेक्षण किया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या बढ़े हुए नमूना आकार से बेहतर सटीकता के साथ श्रम बाजार संकेतकों के विश्वसनीय अनुमान उपलब्ध होने की उम्मीद है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ड.) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (सां.और.कार्य.कार्या.मंत्रा.) के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) देश में रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित विभिन्न संकेतकों का अनुमान लगाने के लिए वर्ष 2017 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित कर रहा है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के प्रतिदर्श डिजाइन को जनवरी 2025 से नया रूप दिया गया है, ताकि पीएलएफएस से संवर्धित कवरेज के साथ उच्च आवृत्ति श्रम बाजार संकेतकों की आवश्यकता को पूरा किया

जा सके। संशोधित पीएलएफएस में निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने की परिकल्पना की गई है:

- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में अखिल भारत स्तर पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मासिक आधार पर प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रम बल भागीदारी दर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।

- पीएलएफएस के तिमाही परिणामों का कवरेज ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित करना और इस प्रकार देश के स्तर पर और प्रमुख राज्यों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में तिमाही अनुमान तैयार करना।
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) और सीडब्ल्यूएस दोनों में महत्वपूर्ण रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का वार्षिक अनुमान लगाना।

जनवरी 2025 से संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन के परिणामस्वरूप पीएलएफएस प्रसार में निम्नलिखित प्रकार से होगा:

- राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों के मासिक अनुमानों की उपलब्धता: संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दृष्टिकोण के अनुसरण में अखिल भारत स्तर पर प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों, अर्थात श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) के मासिक अनुमानों को तैयार करने में सक्षम बनाएगा। मासिक अनुमान से समय पर नीतिगत हस्तक्षेप करने में मदद मिलेगी।

- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तिमाही अनुमानों का विस्तार: दिसंबर, 2024 तक, पीएलएफएस ने केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तिमाही श्रम बाजार संकेतक प्रदान किए। पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन में अद्यतनीकरण के साथ रोजगार बेरोजगारी संकेतकों के तिमाही अनुमान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए और इसी प्रकार पूरे देश के लिए उपलब्ध होंगे।

- उन्नत प्रतिदर्श आकार: संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिज़ाइन एक बहु-चरणीय स्तरीकृत डिज़ाइन है। गाँवों/शहरी फ़्रेम सर्वेक्षण (यूएफएस) ब्लॉकों/उप-इकाइयों (उन गाँवों या यूएफएस ब्लॉकों के लिए जहाँ उप-इकाइयाँ बनाई गई हैं) जनगणना 2011 की सूची ने मिलकर प्रथम चरण इकाइयों (एफएसयू) के चयन के लिए प्रतिदर्श फ़्रेम का निर्माण किया। संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन में, दो-वर्षीय पैनल के प्रत्येक वर्ष में कुल 22,692 एफएसयू (ग्रामीण क्षेत्रों में 12,504 एफएसयू और शहरी क्षेत्रों में 10,188) का सर्वेक्षण करने की योजना बनाई गई है, जबकि दिसंबर, 2024 तक पीएलएफएस में 12,800 एफएसयू का सर्वेक्षण किया जाएगा।

चयनित प्रत्येक एफएसयू से कुल 12 परिवारों का सर्वेक्षण किया जाएगा, जिसका तात्पर्य है कि कुल प्रतिदर्श आकार लगभग (22,692 x 12) = 2,72,304 परिवार होगा। यह दिसंबर, 2024 तक कवर किए गए प्रतिदर्श परिवारों की संख्या (जो लगभग 1,02,400 थी) की तुलना में पीएलएफएस में कवर किए जाने वाले प्रतिदर्श

परिवारों में 2.65 गुना वृद्धि दर्शाता है। उम्मीद है कि बढ़ाए गए प्रतिदर्श आकार से श्रम बाजार संकेतकों के विश्वसनीय अनुमान बेहतर परिशुद्धता के साथ उपलब्ध होंगे।

2025 के अप्रैल, मई और जून महीनों के लिए पीएलएफएस के मासिक बुलेटिनों से, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) के अनुमान नीचे तालिका 1 में दिए गए हैं:

तालिका (1): 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए पीएलएफएस से वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के अनुसार एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर (सभी% में)

अखिल भारत

सर्वेक्षण माह	15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रम बल संकेतक (प्रतिशत में)		
	सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर	सीडब्ल्यूएस में डब्ल्यूपीआर	सीडब्ल्यूएस में यूआर
अप्रैल 2025	55.6	52.8	5.1
मई 2025	54.8	51.7	5.6
जून 2025	54.2	51.2	5.6

स्रोत: मासिक बुलेटिन, पीएलएफएस, जून, 2025

15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर अनुमानों की सापेक्ष मानक त्रुटि (आरएसई) (%) नीचे तालिका 2 में दी गई है:

तालिका (2): 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए पीएलएफएस से वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के अनुसार एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर (सभी% में) का आरएसई

अखिल भारत

सर्वेक्षण माह	15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रम बल संकेतकों का आरएसई (प्रतिशत में)		
	सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर का आरएसई	सीडब्ल्यूएस में डब्ल्यूपीआर का आरएसई	सीडब्ल्यूएस में यूआर का आरएसई
अप्रैल 2025	0.31	0.34	1.95
मई 2025	0.31	0.34	1.83
जून 2025	0.31	0.33	1.91

स्रोत: मासिक बुलेटिन, पीएलएफएस, जून, 2025

*****